कुसंग बुद्धि को तुच्छ बनाता
संग बहुत अच्छा करना
गाँव -गाँव में जाकर करनी सेवा
बाप समान ओबीडीएन्ट हो करनी सेवा
पुरानी दुनिया से ममत्व मिटाना
सबको बाप का परिचय देना
बाज़ार का गन्दा भोजन नही खाना
सेवा स्थल का रूहानी वातावरण बनाना
सहज पुरुषार्थी बनना और बनाना
सेवा स्थान सहज उन्नति करने वाला हो
शुभभावना और शुभकामना के वरदान देते रहो

ॐ शांति
मेरा बाबा